भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये Rs. 100

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

बिहार BIHAR

N 229261

शुल्क जमा किया रू० 40.0

F (i) और (ii) 30

F (i) और (iii) 17

G 30

G (क)

कुल योग

प्रतिलिपि तैयार किया गया गुरहिल

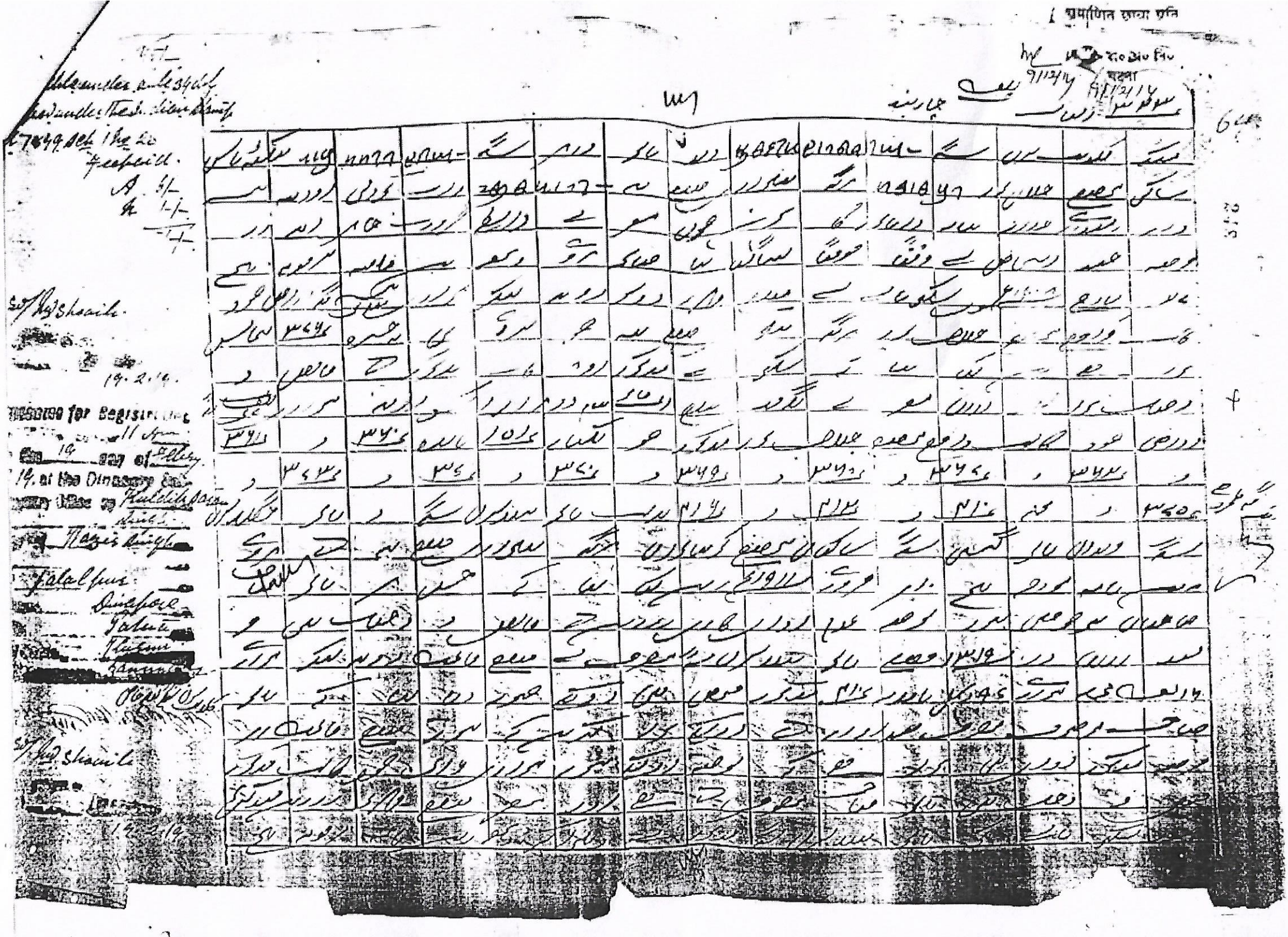
को दिया गया श्री

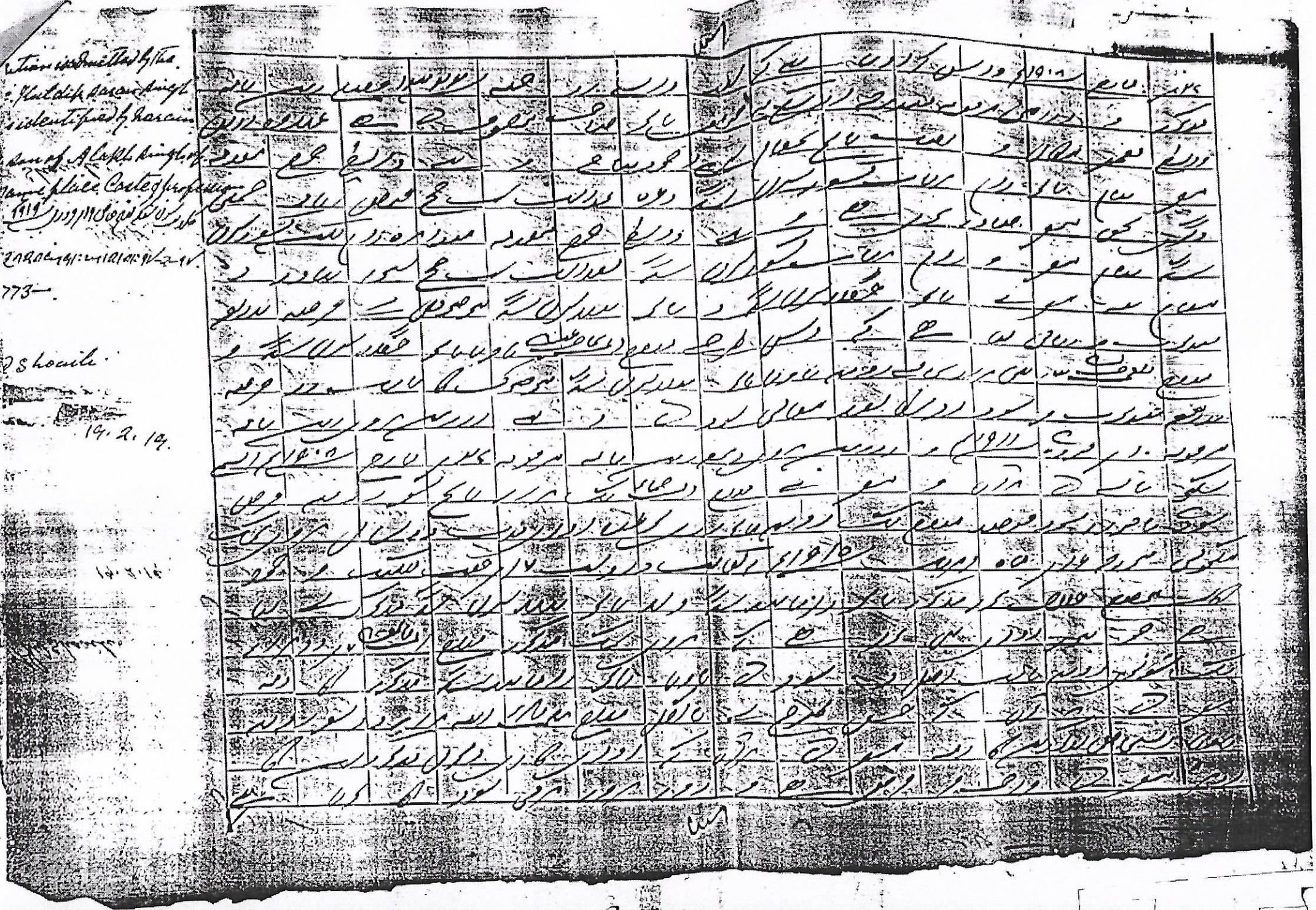
आदेश संख्या

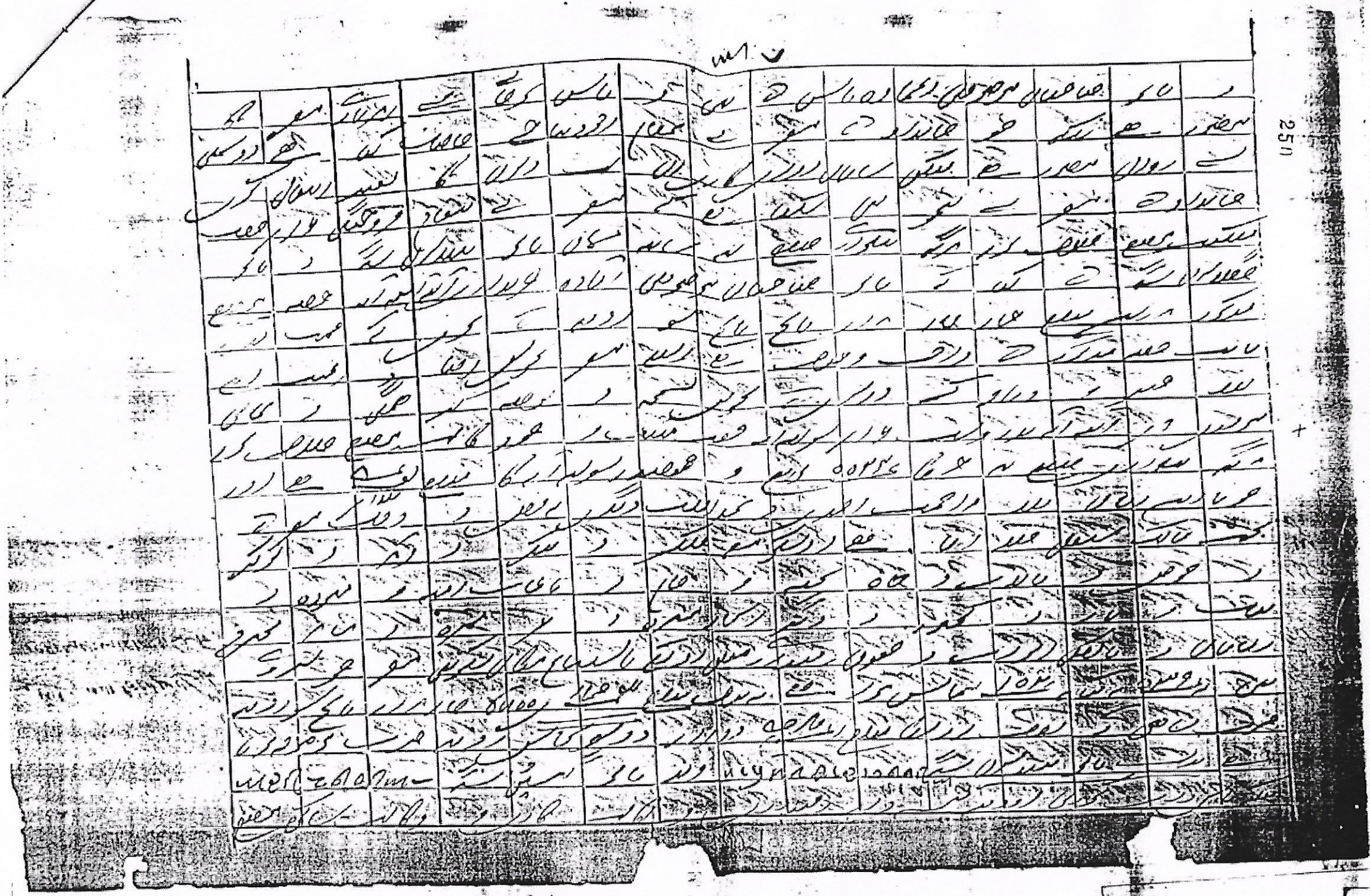
तिथि के अनुसार तैयार की गई

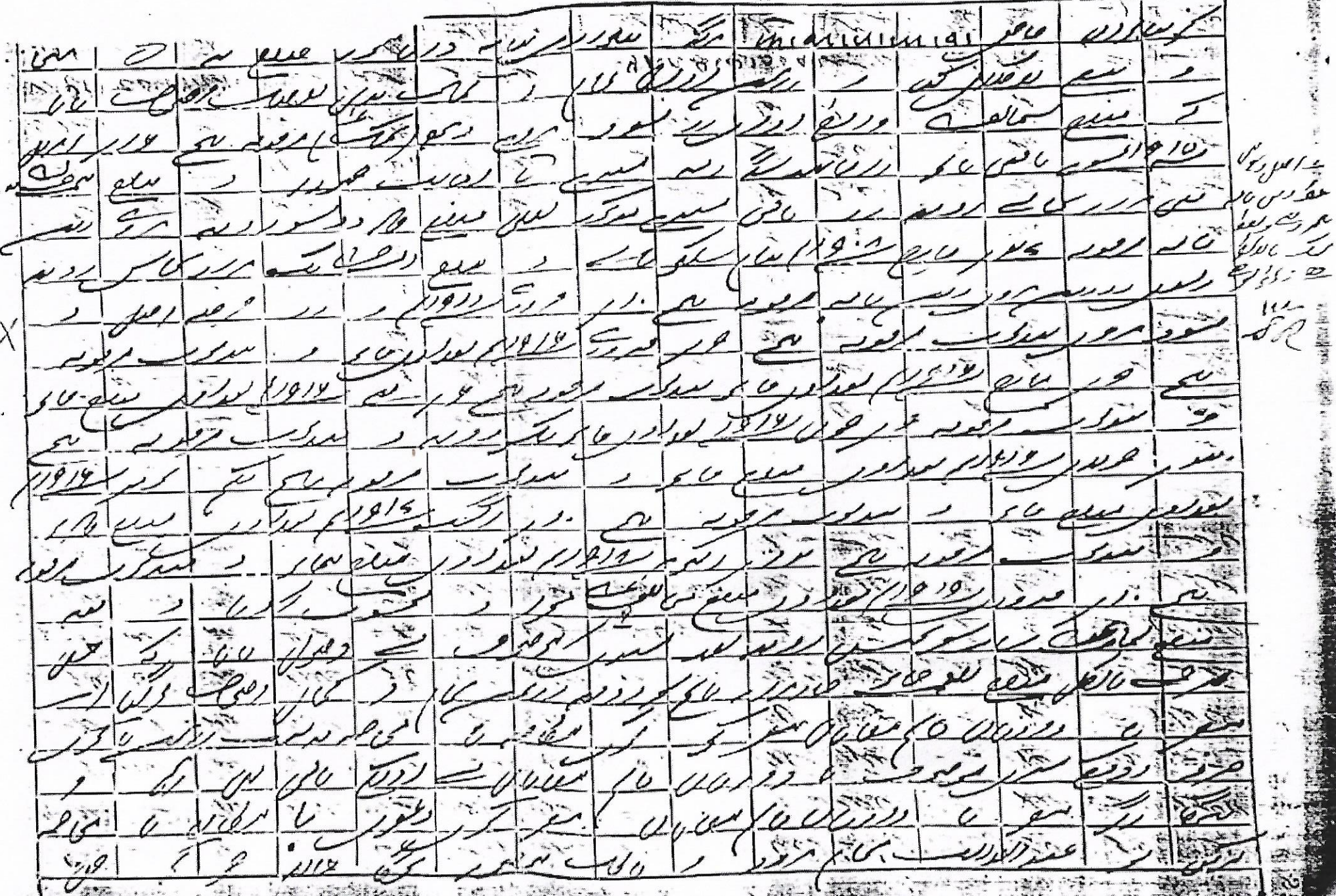
(N)

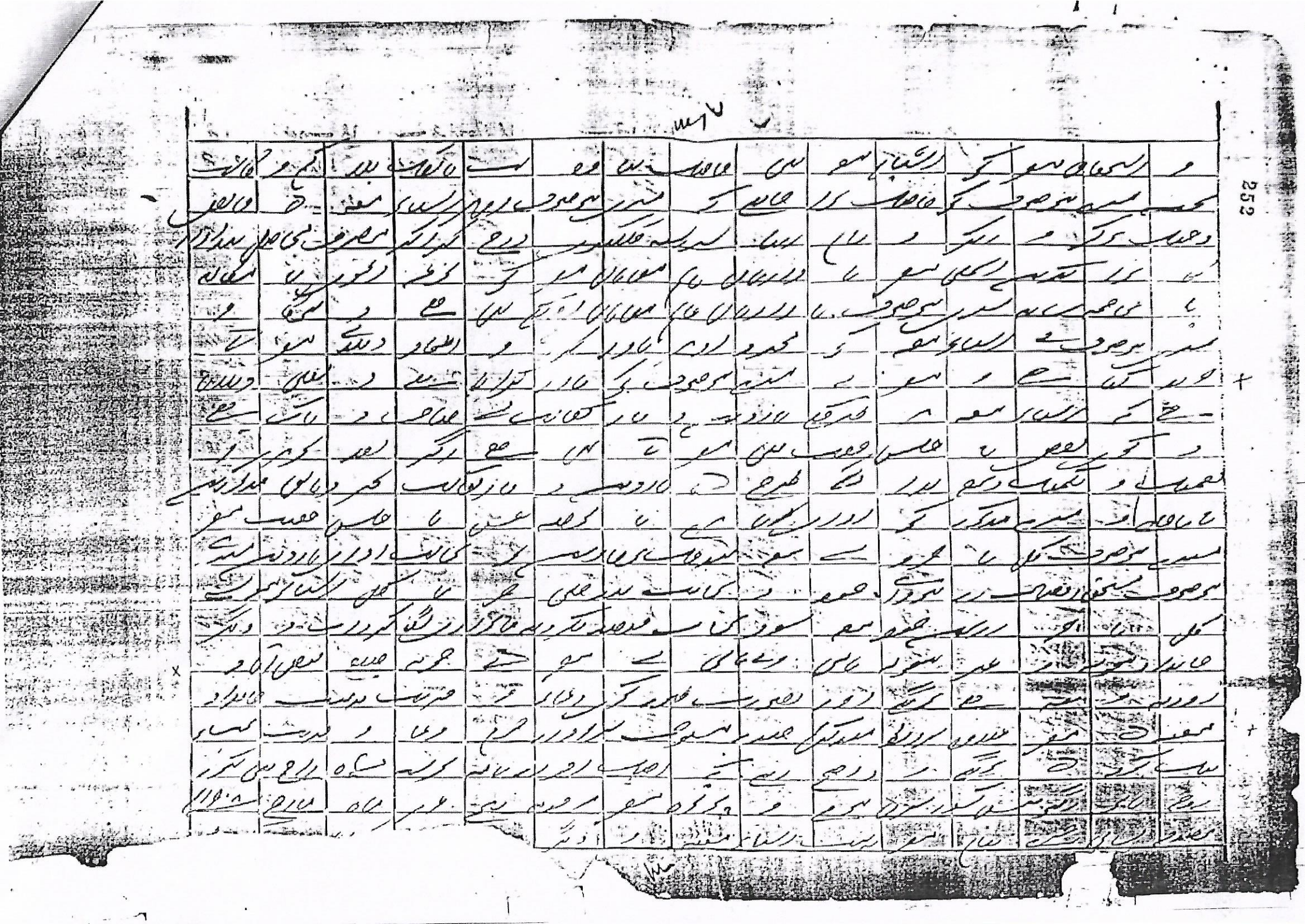
हस्ताक्षर हो

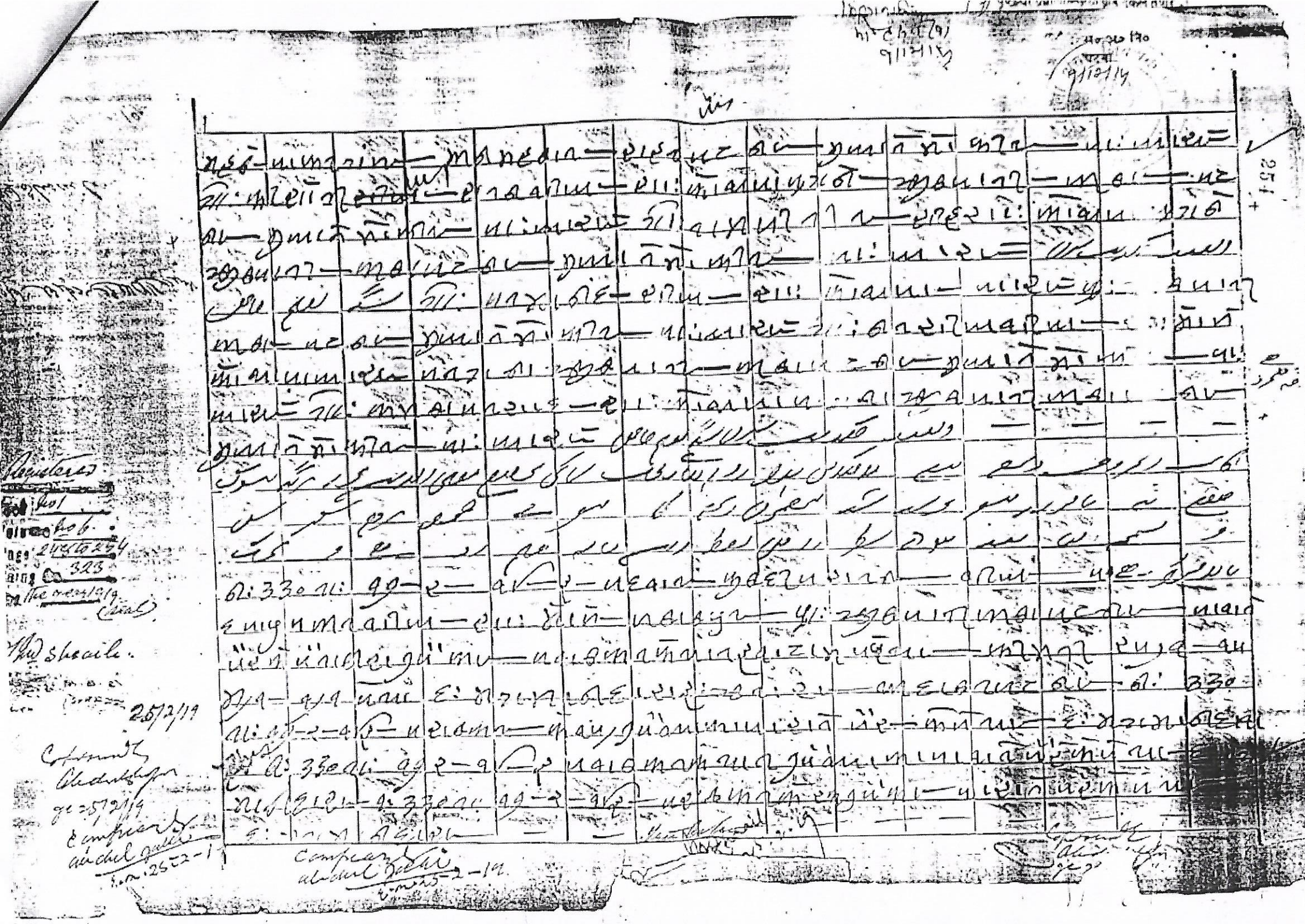












323 स्टाम्प 3रु.

मनके कुलदीप शरन सिंह वल्द बाबू बजीर सिंह बेकुंठवासी साकिन मौजा जलालपुर परगना फुलवारी जिला पटना जात अवधिया हुमी पेशा दर्द जमीन्दारी उनके पोता दानापुर का हूं मुंमनमोकिर ने वास्ते सहूलत जायज देने जर नकदी चन्द्र अग्रवाल से बकलम फ्रवकलम लिया गया था उसके बदले बसीकी रेहन नामा मरहुमा ता० २१ मार्च १९०६ ई० सुरेन्द्र पासी से मा० २०० रुपया लेकर मवाजे १ बी० ३ राजी रुपद काश्त था कमौजा जलालपुर परगना फुलवारी जिलापटना जो सिवे में दखलदार नं० ३१६ पैमाइस उकला है रेहन किया था के सिद्ध पासी मजकूर उपर कास्त मजकूर के कोर्ट वा दखील उकला वा दखा मनमोकिर ने वजीफात नं० २१०० रुपया मवाजे १ बी० ६ का राजी रुपद काश्त वाके मौजा जलालपुर मजकूर जो दखलदार नं० १५१ वाया ३६० से ३६१ वा ३६२ वा ३६१, ३६२ वा ३६५, ३६० ३६१, ३६३, ३६४ वा मौजा रहलपुर १९०-१९२ वा नम्बर ११६ वदस्त बाबू सूरज सिंह वा बाबू मुंगला शरण सिंह वल्द राज बाबू रामदेनी सिंह साकिनान मौजा कोथवा परगना फुलवारी जिला पटना के दखले रेहन नामा मोवरख तारीख १० जनवरी १९१९ ई० रेहन किया था के जिसपर बाबू साहेबान मोसम्मात इन्होंने बखुद कब्जा काश्त कोठी ओर रेहन के कोर्ट वा दखील हैसा वादा

१३१८ फसली बाबू राजा शरन सिंह मौ०सलीम से
मौ० १२० रकबा ले कर स्वामी १८ बरस मौरूसली
स्वत्व में डि डिसमिल बांधा नं० ४१० मजकूर बंधक
में उसके दीवानी बिसाहा के बाबू सहदेव सिंह मुक्त
मौ०सलीम पैदावार के उसके हुक्मा कौर वा हवाले
मौ० १२० रकबा जार कर्जा मजकूर अदायगी नहीं
हुक्मा दे के बजाइ उसके इन्होंने सेकड़ो १८ बरस
उसरकाश्त मजकूर कब्जा व दखल में रखा मौरूसी
मोहिब्बक सरकार है अौर भी मौ बलीया १ पर रकबा
१८ बीघा मौजमीकरे सद सुक्खू पासी वा बाबू
(लाला) शरन सिंह मजकूर से पिलखा का बलीका
रेहन नामा मरकुमे तारीख २७ मार्च १८८६ ई०
वापस का किया है के बाद वापसी जार करा
१३२२ फसली रेहन नामा मजकूर वा इकरा
मजकूरा मौजिबे डि के बरखलाफ बाबू सहदेव
मोक्लिफ के हैं अलावे उसके बाबू सहदेव
को नसिबत बाज अमोकाम की अमोदगी की बाबे भी
बाबे जबती मुकदमा मजकूरा के बनाम शोभा पुत्र
[illegible]
फैजाबाद जिसमें तरीखे बहस मुकर्रर की
सोचित हुई है वा भी बाबे खर्च मुकदमा
राम लाल के बिरुद्ध शरन सिंह
बनाम मजकूरान वा राम प्रताप के बिरुद्ध
शरन सिंह बअदालत सब जज साहब
[illegible] बहादुर वा बनाम [illegible] सद मजकूरा

मैं स्वयं उजागर सिंह व श्रीमती लीला
शेरगिल मोटरमीन से रवाना होकर
हैदराबाद को जा रहा हूँ कि उस
वक्त से मो० 9732 पावना वाहू उजागर
सिंह व मो० 8692 रुपया व मो० 302
रुपया पावना वाहू लीला शेरगिल
मोहन को वापस नहीं करती व जो
व उसके हिस्सेदार मोकामी शुद्ध के वो भी नहीं
देता व किया देहन्त मामला मजकूर तारीख
10 सितम्बर 1979 है वो नहीं देता व
वहीं से देहन्त मजकूर को० 29 मार्च 1980 है
मोहन (मुद्दई) ने कहा व सवाल किया
कि मो० 9100 रुपया कर्ज (मुद्दई) वापिस
देना मो० 700 रुपया साहूकारी व्यापार
के वास्ते देना। मोहन (मुद्दई) ने कहा
मजमूआ मोकदमे 1 मार्च 1985 है
मोकदमा दीवानी होना है मोकदमा
मोकदमा व मो० रुपया कानून मीआद
मजमूआ है। गवाह उजागर सिंह व लीला शेरगिल
मजदूर ने लिखा है जो हमारे कब्जा नहीं हुआ
है कि रुपये तलबुक मजदूर मो० 2950 रुपया
वापस कलम व मुद्दई के पावना वाहू सरदार
सिंह मजदूर के जिसे हिसाब के
वास्ते कहा था इस तरह से बिलकुल मोहन

आठ आने दो सौ रुपया पचना कालचक्र
मजदूरों का जीवन मजदूरों के घर आना
आना जाना यही मजदूरों का और मजदूरों
के परिवार का काम है और परेशान लक्ष्मी-
कांत होता है वह वर्षा सोहेलाल मौजूदा
आना जाना किया है वो आना जाना
सोहेलाल मजदूरों के मजदूरों ने मजदूरों के
आना जाना किया है उसमें से
आठवां सोहेलाल है लेकिन सामाजिक मजदूरों
इस समय यहाँ का बड़ी इतिहास का सबसे
आधिकांश मजदूरों से हो यही समता है
कि मजदूरों ने फैसला परिवर्तन सोहेलाल
सोना जिसका मिस्त्रीयों ने सोना आठवां
कुछ आधुनिक मिलाया सब मजदूरों
वर्ष लोग शहरों में वर्ष कुछ आठ आने
दिन के किराया के वर्ष सोहेलाल मौजूदा
लक्ष्मी रुपयों आठ आना हिस्सा मजदूरों
मजदूर समझ सो चार हजार चार
पांच पांच सौ रुपया के कुछ के मालिक
मजदूर वर्ष हिस्सा मजदूर के मालिक को
आदत है इसलिए मजदूरों के परेशान आज
का रोजगार करोड़पति-लेखा जोखा वो हजार किसान
पुलिस के दूरदर्शी समझ वर्ष कुमार हजार
का लक्ष्मी सवारी ८ आठ आना वर्षा

વાર્ષિક રૂા. મજકુર તા. ૧૬-૪-૧૯૧૪ ના
રોજ મ્યુ. રામાનંદ નં. ૨ જીવી લીલી ને
ગમાવાત લીલા વા મો. 30મ રૂપિયા
જા મલ્કમની વાની લીલી મજકુર વા મો.
૨૦૦) રૂપિયા બક્ષે રૂપિયા નાણા મજકુર તા. ૨૬
માર્ચ ૧૯૦૮ ઈ વગાર સુધુમાણી વા મો.
૧૦૫૦ રૂપિયા અદાજ જા રૂપિયા બક્ષે રૂપિયા નાણા
મજકુર તા ૧૦ ~~મજકુરી~~ ફરવરી ૧૯૧૧ ઈ.
યો જા ~~કોર્ટ~~ મજકુર વા, સુદ બક્ષે રૂપિયા
મજકુર તા ડિસેમ્બર ૧૯૧૬ ઈસ્વી સાલગાદી
૧૦૦) વા રૂપિયા મજકુર તા. ૬ માર્ચ ૧૯૧૬
ઈસ્વી સાલગાદી ૧૦૦) રૂપિયા મજકુર તા.
૬ મારૂ ૧૯૧૬ ઈસ્વી સાલગાદી ૧૦૦) વા
રૂપિયા મજકુર તા ૬ જુન ૧૯૧૬ ઈસ્વી સાલગાદી
૧૦૦) વા રૂપિયા મજકુર તા ૩ જુલાઈ
૧૯૧૬ ઈ. સાલગાદી ૧૦૦ રૂપિયા વા રૂપિયા
મજકુર તા. ૧ ઓક્ટોબર ૧૯૧૬ ઈ. સાલગાદી ૧૦૦)
રૂપિયા વા રૂપિયા મજકુર તા. ૧૦ ૧૯૧૭
ઈસ્વી સાલગાદી ૧૦૦) વા રૂપિયા મજકુર
તા ૧૨ ~~ફરવરી~~ ૧૯૧૮ ઈસ્વી સાલગાદી ૧૦૦)
રૂપિયા વા રૂપિયા મજકુર તા. ૧૦-૨-૧૯૧૯ ઈ
સાલગાદી ૧૦૦) ૧૪ ૨૬. ૬ આના મોજા વા મજકુર
વાર ધિરાણ વા વસુલ ૧૦૦) રૂપિયા

(6 25) रुपया लेकर मुख्तारी सौदा से वकील करना
के जिस तरह से बिल्कुल से चार हजार पांच सौ
रुपया या सभव तमाम दावा कायम होगा
अगर मनमोकिर या वास्तव कायम मोकामीयान
मनमोकिर को कोई सैतलवा या सम्मोवेजावश्यक
जरूर समझ या कोई रुकावट उसके मुख्तारी सौदा
या वास्तव कायम मोकामीयान से उसके वकील
महीनहा दी न होगा अगर मनमोकिर या वास्तव
कायम मोकामीयान मनमोकिर को से दावा या
सैतेल्वा या सम्मोवेजा को दें तो अदालत
तमाम जरूर दे या कुल मजदूर होगा हाल
जो कुछ हुक्म दे अदालत मनमोकिर को मतमिल
मोवक्किल से हासिल या वह खर्च मिल कुल
होना चाहिये के मुख्तारी सौदा
उसे अतिरिक्त मोवक्किल के दावियो दरख्वास्त
देकर अदालत से उसका अपना लिखा रहे।
कागजों से दूसरा कागज सैतलवीक गवाहों
पेशवाव को बुलाने के उसके मन मे जरूरत
या वास्तवी कायम मोकामीयान मनमोकिर को
पड़ी दावी या सैतलवा या मसोवेजा सादर
मुख्तारी वास्तव या वास्तव कायम मोकामीयान
उसके मदद दे वा न होंगे वे मुख्तारी सौदा
से कार्यालय मोवक्किल की वकालत उसे दावा
करने की दुरुस्त दिलाने मनमोकिर के खर्चे
किया दे वा मनमोकिर से मुख्तारी सौदा को

हैसियत मैनेजर है मैं असल्यास का सोवरेन्स इस तरह का
वारदेक्ता वो वार मेम्बालत से साफ करे वाक है वो कोई
एकस्स या रेवलीस इक्तीयत मे मनमोहिन के नहीं है-
फलगा वाद तहरीर वा तामील वा तमामील वहीका
हजा किसीतरह का वादेश वा वा कोपालत
वाद वहोस्त का मजकूरीन पाया जाये वा मुखरी
मजकूर को कायम करना पड़े या अवजह एकस्स या
रेवलीस इक्तियत मनमोहिन मुखरी मौसूफ
चुना गया हो से सोवरेन्स को दखल दी जावे
तो मौसूफ वहालत कायम वार देन मुखरी मौसूफ
मुद्दा हम उसूल जो सवदाय खुद वा वहालत बेदखली
जुजो या कुल असनाद सोवरेन्स से कुल या उसे
जो सपने में खुद वा इख्तियार सौदद व रेवन्या
माहवारे लगा कर जात वो दीगर जायदाद मनकूला
वा जो सब कुला नामी या वेनामी से मनमोहिन के
जो वमोजा फैसलावाद टलेंगे
भला वसूल जरूर होगे इत्तफाद वा मशत बनीसबत
जायदाद सोवरेन्स के मनमो वहीं कालदेव वा एवं
मौतअल्लिक सब वमोजीब वो मासत
टेटल वो सवील चहे के लड़के वो वाजे दफे के कायम
एकरारनामा नवीसे मिस्र राज बख्श कुमार जाजि वदर
रहस्मा किशोर केशोबर साल मौतवका वा पुनर्दह मनमोहनी
मलकुमे ता दसाद मार्च १७८८ मौतबदे
सौदे के खरीदी बनाम मनमोहिन बनीसबत उसियाय
सोवरेन्स वो दीगर जायदाद वा रेवलीस वा रेवेन्यू
वा रकमे सते वा मालगजार वजारा वा वीगर

श्रीमान [illegible] अली के [illegible] जो
पास [illegible] थी [illegible] सब बिलकुल हवाले
मुस्तरी [illegible] को किया [illegible]
[illegible] समन की [illegible]
[illegible]
साहेब से मोकर्रीला नं. तौजी नं- ५५२४ [illegible]
१५।।।७ नाम [illegible] वक़्फ़ परगना वा जिला वा मौजे
जलाल [illegible] फुलवारी जिला पटना [illegible]
हिस्सा सैं मोकर्रा आठ आना [illegible]
[illegible] आना नाम खाता [illegible] सब रजिस्ट्री
दानापुर नाम [illegible] रजिस्ट्री पटना
नाम [illegible] समन ४५०० रु- [illegible]
से मोकर्रीला १३ बी-१० के तहरीर की तारीख
१७ माह फरवरी १९२९ ई. [illegible] माह फागुन
१३२६
अलअब्द कुलदीपशरण सिंह [illegible]
लिखा सी सही व मजमून पढ़ा [illegible]
समझा लिखा वा. २४ [illegible]
ग. [illegible] सा. [illegible] परगना
[illegible] वा. [illegible]
ग. [illegible] तिवारी सा. [illegible] परगना [illegible]
जिला पटना [illegible] वा. [illegible]
ग. राम गुलाम सिंह सा. [illegible]
अजीमाबाद जिला पटना [illegible] मुन्नी वा २४ [illegible]
अलअब्द कुलदीप शरण सिंह वा. [illegible]
ग. [illegible] लाल सा. सद पटना

अ.क्रां.त मुन्शी वा. रवाले

ज. रामपतलाले स.रा. जवाले उ मु.अजमेर

अल्पाचका अ.क्रां.त मो.मु.वा. रवाले

ज. सुर्दारसिंह स.रा. सोपाल उ मु.गंगा अजमेरवाले

पक्षा फाल्गाली अ.क्रां.त मुन्शी वा. रवाले

जवाद खुद हाजिर साबित हाल मुकाम महल्ला

उ रद्द पत्रा मौजे महलात रद्द पत्रा

वगैरह मुन्शी वा रवाले

सही आत्मीका पत्रा या किनारामा

मुन्शा वलिदाउ, अला पत्रा हाल मौकाम

महले वाका गवं मौजे महलात रद्द पत्रा

अ.क्रां.त मुन्शी वा रवाले

ज. पं.अमरी.दत्त सिंह स.रा. कोटेवा मु.मजकुर

अल्पावधी अला पत्रा अ.क्रां.त मो.मु

वा रवाले ज. रामधी रतनसिंह सो कोटेवा

मु.रा.न अजमेरी अला पत्रा अ.क्रां.त

मुन्शी वा रवाले

सही कुल नकि रद्द हाजिर

ज. पं.अमरचंद सिंह स.रा. कोटेवा मु.अजमेरी

अला पत्रा अ.क्रां.त मुन्शी वा रवाले

ज. गं.सिंघ सिंह स.रा. कोटेवा वा रवाले

ज.रा.न अजमेरी अला पत्रा अ.क्रां.त

मुन्शी वा रवाले

ज. कमला प्रसाद स.रा. कोटेवा मु.गंगा

अजमेरवाली अला पत्रा अ.क्रां.त

मुन्शी वा रवाले

को कि उक्त दुकान वाली जगह का लाभ (हानि)
राम स्वरूप लाल सर्राफ मजा मारेगा
और जो कुसका व शेलक किराया पाना व एकाधु
मासिकी व कीटले २५ रु मजदूर वाली का
मजदूरी कि रु पढ़ का खुश वा सामक
[illegible] व कलाम व लटूरू में लाभ
देवक गाहा कलमाजदे वा लाभसुकावला
करता है

व ३३१ नं ३७-२-९८ के व दर्ज मुल्क कि २५ रुपये
वक्त वाद वजीरिटेना मजा जलालपु
के मुनादी किराया वाद वजह है
मि० २५ पक्ष वकील मदई मद २५ पक्ष
बेनाम मीजान १२५-१-१५- ७-२-६-१
बचा ६ मदवाले वाद इस्तेमाल गवाह
करार ले न पढ़ा नं ३३० नं ९ २-१
वास्ते वि ५५ रुपया का वादे व म के बाद
इ मायवाल वाले नं ३३० नं ९९ २-१ के वास्ते
वाद चार रुपया को वादे वेम के बचा
इ मायवाल वाले नं ३३० नं ९९ २-१ के
वास्ते वाद एक रुपया वादे वेम के बचा
६ मदवाले वादे
नं ३२३ ४७१—
Admissible under Rule 34 Duty Stamp Act
under the Indian Stamp act 1899 Sch I no
be Paid 23
R 0/—
no 1-1